

नसीराबाद में टैंकरों से अवैध रूप से गैस रीफिलिंग का खुलासा, पांच हिरासत में

दो टैंकर, एक मालवाहक वाहन और 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त, बड़े हादसे की आशंका टली

अजमेर, (निर्स)। नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र में पुलिस और रसद विभाग की संयुक्त कार्रवाई में टैंकरों से अवैध रूप से गैस रीफिलिंग किए जाने के बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि दो गैस टैंकर, एक मालवाहक वाहन तथा 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। मामले में रसद विभाग की ओर से सदर थाना में प्रकरण दर्ज कराया गया है और पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार सदर थाना पुलिस को रविवार को सूचना प्राप्त हुई कि झड़वासा गांव स्थित हरिओम होटल एवं रेस्टोरेंट के पास दो बड़े गैस टैंकर खड़े हैं तथा वहां 19 किलोग्राम क्षमता वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में गैस भरने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और रसद विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई। सूचना पर जिला रसद अधिकारी नीरज जैन, रेणुका चतुर्वेदी, अतुल बढ़ाया तथा प्रकाश देवनामी भी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पाया गया कि दोनों गैस टैंकरों से बिना किसी वैधानिक माप-तौल



नसीराबाद पुलिस ने टैंकरों से अवैध रूप से गैस रीफिलिंग मामले में पांच जनों को हिरासत में लिया।

व्यवस्था के सीधे व्यावसायिक गैस सिलेंडरों में गैस भरी जा रही थी। अधिकारियों ने जब गैस की जांच की तो पता चला कि टैंकरों में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपलीन गैस भरी हुई थी, जिसे घरेलू और व्यावसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोपलीन गैस में किसी प्रकार की गंध नहीं होती है। ऐसे में गैस रिसाव होने पर आसपास

मौजूद लोगों को इसकी जानकारी नहीं मिल पाती और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। कार्रवाई के दौरान मौके से एक मालवाहक वाहन और 35 व्यावसायिक गैस सिलेंडर भी बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों टैंकरों को चालू करने से रोका और प्रोपलीन गैस के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोपलीन गैस में किसी प्रकार की गंध नहीं होती है। ऐसे में गैस रिसाव होने पर आसपास

पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों गैस टैंकर मथुरा स्थित बॉटलिंग संयंत्र से खाना होकर गुजरात के धूमदाद क्षेत्र की ओर जा रहे थे। रास्ते में झड़वासा गांव के पास अवैध रूप से गैस निकालकर सिलेंडरों में भरी जा रही थी। रसद विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सदर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि

■ अधिकारियों ने जब गैस की जांच की तो पता चला कि टैंकरों में अत्यंत ज्वलनशील प्रोपलीन गैस भरी हुई थी

■ ज्वलनशील प्रोपलीन गैस को घरेलू, व्यावसायिक उपयोग के लिए एलपीजी गैस के रूप में सिलेंडरों में भरा जा रहा था

इस अवैध कारोबार के पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा इससे पहले कितनी बार इस प्रकार गैस की अवैध रीफिलिंग की जा चुकी है। पुलिस और रसद विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गैस कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में तूफान ने तबाही मचाई

■ बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती में मकान की छत ढही, एक मासूम घायल

भीलवाड़ा, (निर्स)। शहर में बीती रात आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जहां तेज हवाओं के झोंके से एक गरीब परिवार के आशियाने की छत धराशायी हो गई। छत गिरने से भारी-भरकम पत्थर नीचे आ गिरा। गनीमत यह रही कि हादसे के वक्त परिवार के सदस्य घर के बाहर खाना खा रहे थे, जिससे कई जानें बच गईं। हालांकि, इस मलबे की चपेट में आने से एक सात वर्षीय मासूम बच्ची का हाथ फ्रैक्चर हो गया है, जिसे परिजनों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

हादसे का मंजर बचाव करते हुए पीडित निवासी सीमा बैरवा की आंखें भर आईं। उन्होंने बताया: मैं अपनी बच्ची के साथ कमरे के भीतर ही बैठी थी। अचानक कमरे की दीवारें हिलने लगीं। अनहोनी का अहसास होते ही

मैं बच्ची को लेकर तुरंत बाहर की तरफ भागी। हमारे बाहर निकलते ही पूरी छत और दीवार भरभरकर गिर गई। अगर एक सेकंड की भी देरी होती, तो मैं और मेरी बच्ची जिंदा नहीं बचते। बड़े-बड़े पत्थर गिरते देख हम बुरी तरह सहम गए।

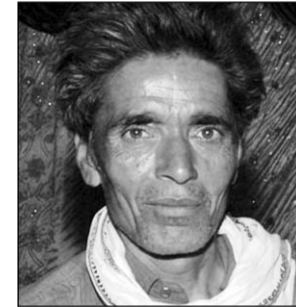
स्थानीय निवासी लीला ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बताया कि इस कॉलोनी में पिछले एक महीने के भीतर यह दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले भी एक मकान की दीवार ढह चुकी है। बारिश का मौसम शुरू हो चुका है, जिससे

कच्ची बस्ती के जर्जर मकानों पर खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद अब तक प्रशासन का कोई भी अधिकारी मौका मुआयना करने नहीं पहुंचा है। बालाजी खेड़ा कच्ची बस्ती के निवासियों में प्रशासन के खिलाफ गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि वे लंबे समय से अपने आशियाने को सुरक्षित करने के लिए जमीन के पट्टे की मांग कर रहे हैं। कई बार लिखित और मौखिक रूप से जिला प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन हर बार उनकी मांग को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अब मानसून की हवा के साथ ही पूरी बस्ती डर के साप में जीने को मजबूर है। लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही प्रशासन ने सुध नहीं ली, तो यहां कभी भी कोई बड़ा जनहानि का शिकार हो सकता है।

खेत में चारा काटते समय किसान की मौत

टोंक, (निर्स)। घाड़ थाना क्षेत्र के चारनट गांव में रविवार को खेत पर चारा काटते समय 47 साल के किसान की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक भंवरलाल वैष्णव दर्रा बालाजी मंदिर के पुजारी थे।

परिजनों ने बताया कि भंवरलाल सुबह अपने खेत पर मवेशियों के लिए चारा काट रहे थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की और उन्हें खेत पर अचेत अवस्था में पाया। ग्रामीणों की मदद से उन्हें घाड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां से दूनी रेफर कर दिया गया। दूनी अस्पताल में डॉ. सुरेश मीणा ने जांच



मृतक किसान

के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि

■ करंट लगने की आशंका के चलते मामला दर्ज

भंवर लाल जिस स्थान पर चारा काट रहे थे, वहां बिजली विभाग का कृषि कनेक्शन का तार नीचे झुल रहा था। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि उनकी मौत करंट लगने से हुई है। सूचना मिलने पर घाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दूनी अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम करवाया। पंचनामा तैयार कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

चार युवकों पर नाबालिग लड़की से गैंगरेप का आरोप

किशनगढ़ बास, (निर्स)। थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को रात में घर से जबरन उठाकर खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप गांव के ही चार युवकों पर है। पुलिस ने पीड़िता की दादी की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता बुजुर्ग महिला ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे की मौत के बाद दूसरा बेटा अस्थिरा विमर्ज के लिए गंगा जी गया था। 20 जून की रात घर पर वे, पुत्रवधु और 16 वर्षीय पोती थीं। रात करीब 12 बजे गांव के ही मुजाहिद और उसका चाचा मोहम्मद दीवार फांदकर घर में घुस आए और सो

■ घर पर सो रही नाबालिग बालिका को उठाकर खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया

■ शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर की जांच शुरू

रही नाबालिग को मुंह दबाकर जबरन उठा ले गए। आरोप है पीड़िता को पास के खेत में ले जाया गया, जहां पहले से दो अन्य युवक मौजूद थे। इनमें से एक की पहचान आबिद के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान अभी नहीं हो पाई है। आरोप है

कि चारों आरोपियों ने नाबालिग के साथ मारपीट की, धमकी दी और सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी पीड़िता को वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता 21 जून को सुबह करीब 4 बजे रोती हुई घर पहुंची और दादी को आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

दोएसपी लालसिंह यादव ने बताया कि दलित नाबालिग बालिका के साथ गैंगरेप का मामला थाना किशनगढ़ बास में दर्ज हुआ है। बालिका का चिकित्सकों द्वारा मेडिकल करवाया गया है तथा मामले में जांच प्रारम्भ कर दी है।

हादसे में तीन युवक घायल

डूंगरपुर, (निर्स)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बर्ड सेंचुरी रिंग रोड पर एक कार और तेज रफ्तार बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया।

यह दुर्घटना शनिवार देर रात इंडस्ट्रियल एरिया मोड़ के पास बर्ड सेंचुरी मोड़ पर हुई। तेज रफ्तार पावर बाइक और कार की जोरदार टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। उन्हें हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती कराया। घायल युवक लालकपुर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में तीन दिन में दूसरी प्रसूता की मौत

बीकानेर, (निर्स)। पीबीएम हॉस्पिटल में रविवार को तीन दिनों के भीतर दूसरी प्रसूता की मौत हो गई। हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता शारदा (26) वेंटीलेटर पर थी, जिसने रविवार शाम को दम तोड़ दिया। इससे पहले तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार को प्रसूता प्रीति की मौत हो गई थी। हॉस्पिटल में बीते एक महीने के भीतर सिजेरियन डिलीवरी के बाद 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। हालांकि इनमें से 2 महिलाओं को तबीयत में सुधार होने पर छुट्टी दे दी गई थी।

जानकारी के अनुसार, शारदा को प्रसव के बाद से ही गंभीर हालत में पीबीएम अस्पताल में भर्ती कर वेंटीलेटर पर रखा गया था। पिछले कई दिनों से उसकी हालत गंभीर थी। डॉक्टर्स के

■ सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूता की किडनी फेल हुई थी जो वेंटीलेटर पर थी

अनुसार, उसकी प्लेटलेट्स लगातार कम हो रही थीं और शरीर में ऑक्सीजन का स्तर भी गिर गया था। शनिवार को उसकी तबीयत अधिक बिगड़ने पर डॉक्टर्स ने गले में नली डालकर उसे अतिरिक्त ऑक्सीजन सपोर्ट दिया था। इसके बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और रविवार शाम करीब छह बजे उसने दम तोड़ दिया।

पीबीएम अस्पताल में प्रसूताओं की किडनी और अन्य अंग प्रभावित होने के मामले को लेकर पहले से ही जांच चल

रही है। इस प्रकरण में पहले प्रीति की मौत हो चुकी है, जो करीब 20 दिनों तक वेंटीलेटर पर रही थी। उसके लीवर और किडनी पर भी गंभीर असर पड़ा था। मामले को लेकर हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से जांच जारी है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घोषा के अनुसार, मरीजों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास किए गए थे, लेकिन प्रथम दृष्टया मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर महिला की मौत का कारण माना जा रहा है। किडनी के बाद अन्य अंगों ने भी काम करना बंद कर दिया। इस कारण महिला को ऑक्सीजन सपोर्ट देने की कोशिश की जा रही थी। हालांकि मामले में मृतक के परिजनों ने घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पाली में बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते लेखा सहायक ट्रेप

जयपुर/पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए पाली जिले के रोहट स्थित ब्लॉक मुख् चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) कार्यालय में कार्यरत लेखा सहायक (संविदाकर्मी) को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में बीसीएमओ की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जिसके बाद उनके आवास पर तलाशी ली गई, लेकिन कार्रवाई की भनक लगने पर वे फरार हो गए। एसीबी उनकी तलाश में जुटी हुई है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि रविवार को एसीबी पाली द्वितीय टीम ने यह कार्रवाई की। जहां एसीबी चौकी पाली द्वितीय को शिकायत

मिली थी कि परिवारी की ब्लॉक मुख् चिकित्सा अधिकारी कार्यालय रोहट में टेंडर के माध्यम से लगी वाहन सेवा को लगातार संचालित रखने तथा अप्रैल से जून माह तक के लंबित बिलों को पास करवाने की एवज में कार्यालय के लेखा सहायक (संविदाकर्मी) देवकीनन्दन शर्मा बीस हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी पाली द्वितीय के प्रभारी (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) देवारव सिंह एवं उनकी टीम ने ट्रेप की योजना बनाई और रविवार को कार्रवाई करते हुए लेखा सहायक (संविदाकर्मी) देवकीनन्दन शर्मा को परिवारी से बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

एसीबी के अनुसार आरोपित लेखा सहायक (संविदाकर्मी) ने रिश्वत की राशि प्राप्त करने के बाद उसे ब्लॉक मुख् चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की नई इमारत की प्रथम मंजिल पर रखी एक लकड़ी की दर्रा में छिपा दिया था। एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त राशि बरामद कर ली। वहीं जांच के दौरान बीसीएमओ डॉ. हार्दिक राजपुरोहित को भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। इस पर एसीबी जोधपुर शहर इकाई के प्रभारी किशन सिंह (उप अधीक्षक पुलिस) के नेतृत्व में उनके आवास पर तलाशी ली गई। हालांकि कार्रवाई की जानकारी मिलने पर डॉ. राजपुरोहित फरार हो गए। एसीबी ने उनकी तलाश शुरू कर दी है।

बेटे को बचाने डिग्गी में कूदी मां, दोनों की मौत

बालोतरा, (निर्स)। धोरीमना क्षेत्र के स्वामियों की बेरी गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। पानी से भरी डिग्गी में डूबने से मां और उसके मासूम बेटे की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छह वर्षीय बालक अपने ननिहाल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मां के साथ आया हुआ था। खेलते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह पानी से भरी डिग्गी में जा गिरा। बेटे को डूबता देख 32 वर्षीय मां उसे बचाने के लिए तुरंत डिग्गी में कूद गई, लेकिन पानी अधिक गहरा होने के कारण दोनों बाहर नहीं निकल सके और डूबने से उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय गोताखोरों और सिविल डिफेंस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मां-बेटे के शव डिग्गी से बाहर निकाले। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों शवों को धोरीमना उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। यह हादसा धोरीमना क्षेत्र के स्वामियों की बेरी गांव में हुआ, जहां शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं।

मुख्यमंत्री ने देवास परियोजना का हवाई निरीक्षण किया



सीएम भजनलाल शर्मा ने देवास-3 एवं 4 पेयजल परियोजना का हवाई सर्वे किया।

कठूमर के खेतों में काम कर रहे किसानों पर पैथर का हमला, दो जने घायल

दोनों घायल किसानों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है

अलवर, (निर्स)। कठूमर के बल्लूपुरा रामगढ़ गांव में रोज की तरह रविवार सुबह भी किसान अपने खेतों में काम कर रहे थे। इसी दौरान वहां छिपे बैठे एक पैथर ने अचानक किसानों पर हमला बोल दिया। पैथर के इस अचानक हमले से खेत में काम कर रहे चतुर पुत्र निहाल सिंह यादव और बबली पुत्र बाबूलाल यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर जब आसपास के खेतों से दूसरे किसान दौड़े, तो पैथर वहां से भाग निकला। दोनों घायल किसानों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है।

किसानों पर हमला करने के बाद पैथर भागकर पास ही मौजूद एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया। वह पिछले कई घंटों से उसी पेड़ पर डेरा जमाए बैठा है। जैसे ही गांव में खबर फैली, पूरे इलाके में बैठसनी फैल गई। देखते ही देखते आसपास के कई गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। लोगों के मन में पैथर को लेकर जहां एक तरफ भारी



धौलागढ़ थाना पुलिस, वन विभाग के एसोएफ, रेंजर और सरिस्का टाइगर रिजर्व की विशेष रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और पैथर को पकड़ने के प्रयास शुरू किये।

दहशत है, वहीं उसे करीब से देखने का कौतूहल भी बना हुआ है। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए धौलागढ़ थाना पुलिस, वन विभाग के एसोएफ, रेंजर और सरिस्का टाइगर रिजर्व की विशेष रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंच

गई। पैथर को सुरक्षित पकड़ने के लिए एक्सपर्ट्स और ट्रेड्कुलाइज (बेहोश करने वाली) टीम भी तैनात है। वन विभाग के आला अधिकारी लगातार पेड़ पर बैठे पैथर की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं और उसे बिना नुकसान

पहुंचाए सुरक्षित रेस्क्यू करने का प्लान बना रहे हैं। वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने मौके पर मौजूद भारी भीड़ को देखते हुए ग्रामीणों से पेड़ के पास न जाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सख्त अपील की है।

■ किसानों पर हमला करने के बाद पैथर भागकर पास ही मौजूद एक ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया

■ पेड़ पर डेरा जमाए बैठा है पैथर, आसपास के गांवों से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए

■ सीएम भजनलाल शर्मा ने परियोजना के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के अनुरूप किए जाने के लिए निर्देश

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उदयपुर की महत्वाकांक्षी देवास-3 एवं 4 पेयजल परियोजना का हवाई निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणधीन देवास-3 एवं देवास-4 बांधों के डैम एक्सिस तथा टनल-3 के एंजिट 3.15 किमी, 5.325 किमी एवं 9.10 किमी सहित विभिन्न निर्माण स्थलों एवं कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने हवाई निरीक्षण के दौरान परियोजना की वर्तमान प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में

विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण सुरक्षा मानकों के अनुरूप तेज गति से पूर्ण किए जाएं, जिससे उदयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों की वर्तमान एवं भविष्य की

पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने परियोजना के अंतर्गत बांध निर्माण, टनल निर्माण, अन्य प्रमुख निर्माण कार्यों एवं पुनर्वास संबंधी विभिन्न कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।

डूंगरपुर के तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत

डूंगरपुर, (निर्स)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के मांडवा में रविवार को तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत हो गई। दोनों बकरियां चराने के लिए गई थीं और तालाब में नहाने उतर गई थीं।

पुलिस के अनुसार यह घटना मांडवा में काली बाई पैनारमा के सामने स्थित तालाब पर हुई। गर्मी अधिक होने के कारण दोनों बहनें तालाब के एक गड्ढे में भरे पानी में नहाने के लिए उतरी थीं। इसी दौरान वे गहरे पानी में डूब गईं। मृतक बच्चियों की पहचान मांडवा

■ दोनों बकरियां चराने के लिए गई थीं और तालाब में नहाने उतर गई थीं

निवासी 12 वर्षीय उषा कोटेट के रूप में हुई है, जो 8वीं कक्षा में पढ़ती थी। दूसरी बच्ची 12 वर्षीय नयना कोटेट पुत्री दशरथ कोटेट की हैं, जो 7वीं कक्षा की छात्रा थीं। दोनों चचेरी बहनें थीं। घटना को देखकर गांव का एक युवक दौड़कर मौके पर पहुंचा और दोनों

बच्चियों को पानी से बाहर निकाला। गांव के अन्य लोग भी मौके पर जमा हो गए और तत्काल दोनों को डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों बच्चियों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उषा और नयना दोनों के पिता इावर है और गाड़ी चलाते हैं। नयना के 4 भाई-बहन हैं। वहीं उषा के 6 भाई-बहन हैं।